जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 15 संख्याः 218 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 9 जून, 2023 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अक्सर कहा जाता है कि, बिग कैट्स पानी को पसंद नहीं करते, लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। एक नए शोध से पता चला है कि, कुछ नर कूगर (पूमा) ना केवल तैरते हैं बल्कि जहाजों और ओर्का से बचते हुए समुद्र में लम्बी यात्रा भी करते हैं। यह शोध जी.पी.एस. कॉलर वाले एक कूगर पर केन्द्रित है, जिसका नाम ''एम वन 61'' या नोलन है। नोलन 16 जुलाई 2020 को सुबह के समय वॉशिंगटन स्टेट में ओलम्पिक प्रायद्वीप के छोर से सैलिश सी में गिर गया था। गिरते ही उसने तैरना शुरु कर दिया और स्वाक्सिस आईलैंड पहुंचने तक तैरता रहा। इस दौरान उसने एक कि.मी. की दूरी तय की। नोलन एकमात्र कूगर नहीं है जो तैरना जानता है, कई अन्य कूगर भी तैर सकते हैं। उदाहरण के लिए, शोध के सहलेखक और अन्तर्राष्ट्रीय वाइल्ड कैट कंज़र्वेशन एन.जी.ओ. पैंथेरा में पूमा प्रोग्राम के डायरैक्टर, मार्क एल्ब्रॉय का कहना है कि, उन्होंने 2010 में चिली के पैटागोनिया में लम्बी दूरी तक तैरने वाले एक कूगर को ट्रैक किया था, जो कई बार झील के उस द्वीप तक तैरकर गया जहाँ भेड़ें रहती थीं। लेकिन कुछ ही वैज्ञानिक अध्ययनों में इस तथ्य पर फोकस किया गया है। मार्क ने कहा, मुझे यकीन है कि ये कई वर्षों से तैर रहे हैं। एल्ब्रॉक कहते हैं कि, कूगर के तैरने के सबूतों के लिखित प्रमाण तैयार करना इस प्रजाति के संरक्षण के लिए जरुरी है, क्योंकि यह तथ्य उनकी रेंज व आवास की कनैक्टिविटी को लेकर बनी धारणाओं को चुनौती देता है। नोलन की यात्रा के आधार पर शोध लेखकों ने अनुमान लगाया कि, ब्रिटिश कोलम्बिया में प्यूजैट साउण्ड और लारकॉम द्वीपों के दक्षिणी भाग के बीच जो 6153 आइलैंड्स हैं, उनमें से 3808 द्वीपों पर कूगर छोटी-छोटी दूरी तक तैरकर पहुंच सकते हैं और लम्बी दूरी तक तैरकर 4,583 आइलैंड इस तक पहुंचने में सक्षम हैं। जीव वैज्ञानिक ग्लैन कालीश, जो शोध में शामिल नहीं थे, ने कहा कि'' एक आइलैंड से दूसरे आइलैंड तक जाने की क्षमता से कूगर को नए आवास ढूंढने में मदद मिलती है। मुझे लगता है कि कूगर नए क्षेत्र में जाने का हर संभव रास्ता अपना रहे हैं, चाहे इसके लिए उन्हें समुद्र के ठंडे पानी में खतरों से जूझते हुए तैरना ही क्यों ना पड़े।''

अध्यक्ष बने सौ दिन से ज्यादा हो गये, पर खड़गे अभी तक टीम क्यों नहीं बना पा रहे?

इस स्थिति में पार्टी में ''कन्फ्यूज़न'' होना और कई पावर सैन्टर बनना लाजमी है

- जैसा कि विदित ही है, खड़गे को पूरी सी.डब्ल्यु.सी. मनोनीत करने के अधिकार भी मिले थे, कांग्रेस अधिवेशन में।
- यह अधिकार उन्हें मुख्य रूप से दिल्ली में सक्रिय पुराने नेताओं के दबाव में मिला था। ये नेता गण सी.डब्ल्यु.सी. का चुनाव नहीं चाहते। वो सभी सी.डब्ल्यु.सी. के सदस्यों के मनोनयन की प्रक्रिया बदस्तूर जारी रखना चाहते हैं, क्योंकि चुनाव में उनका जीत कर आना नामुमकिन सा है।
- ऐसा कहा जाता है कि, राहुल गांधी भी चुनाव कराने के पक्ष में थे, पर, फिर वे रायपुर अधिवेशन में इतनी देर से क्यों आये, कि, तब तक सी.डब्ल्यु.सी. सदस्यों के मनोनयन का निर्णय हो चुका था।
- अब मनोनयन, खड़गे के गले में घंटी हो गया है, क्योंकि कई पावर सैन्टर हैं, जिसमें राहुल, प्रियंका व सोनिया भी शामिल हैं और अपने-अपने आदमी को मनोनीत कराना चाहते हैं।
- उदाहरण के लिये, खड़गे वेणु गोपाल व जयराम रमेश को हटाना चाहते हैं। पर, राहुल ने वेणु गोपाल को हटाने की स्वीकृति नहीं दी तथा जयराम रमेश के लिये कहा, ''सोचेंगे।''

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। मल्लिकार्जुन खड़गे को रायपुर में हुए ए.आई.सी.सी. महाधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में मान्यता दी गई थी और उसको भी 100 दिन पूरे हो चुके हैं, पर अभी तक वे अपनी टीम तैयार नहीं कर पाए हैं। इससे साफ पता चलता है कि पार्टी में कितना ज्यादा भ्रम है और कई शक्ति केन्द्र हैं, जिससे निर्णय लेना मुश्किल हो रहा है।

अध्यक्ष के चुनाव के समय कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) भंग कर दी गई थी और उसकी जगह स्टिअरिंग कमेटी बनाई गई थी। खड़गे अभी तक भी नई सी.डब्ल्यू.सी. गठित नहीं कर पाए हैं।

उन्हें समूची वर्किंग कमेटी मनोनीत करने का अधिकार प्राप्त है। हालांकि प्रावधान है कि वर्किंग कमेटी के 12 निर्वाचित किए जाने चाहिए।

लेकिन दिल्ली के नेता जिनका पार्टी में काफी दबदबा है, हालांकि उनका कोई भी जनाधार नहीं है, वे चुनाव नहीं करवाने के लिए एकजुट हो गए हैं। सिर्फ अजय माकन ही चुनाव के पक्ष में।

कहा जाता है कि राहुल चाहते हैं कि सी.डब्ल्यू.सी. का चुनाव हो तो फिर उन्होंने रायपुर में हुई स्टिअरिंग कमेटी की बैठक में भाग क्यों नहीं लिया? जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

दोबारा वसुन्धरा राजे को हाई कमान ने सलाह-मशविरा के लिये दिल्ली बुलाया

पिछले गत कई महीनों की अनदेखी के बाद, दोबारा निमंत्रण आना चर्चा का विषय है, राजनीतिक हल्कों में

- बुधवार को राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोषी से, वसुन्धरा राजे को मु.मंत्री के रूप में पेश करने के राजे के सुझाव पर चर्चा हुई थी।
- उन्हें दोबारा गुरूवार को बुलाया गया, गृह मंत्री अमित शाह व राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा से इस बारे में आगे बात करने के लिये।
- वसुन्धरा राजे के साथ, प्रदेश में भाजपा संगठन की नयी टीम व अन्य तब्दीलियों के बारे में विचार विमर्श होगा तथा नयी टीम जुलाई के प्रथम सप्ताह में घोषित होने की संभावना है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को भाजपा नेतृत्व दो बार फिर गुरुवार को नई दिल्ली बुलाया और विधानसभा चुनावों पर चर्चा की। भाजपा नेतृत्व का यह रूख गत कुछ की माह राजे को अलग थलग रखने की रणनीति से एकदम अलग है।

कर्नाटक चुनावों से सबक लेकर भाजपा आगामी चुनाव प्रधानमंत्री की ताकत और क्षेत्रीय नेताओं की लोकप्रियता के आधार पर लड़ना चाहती है जिसमें वसुंधरा राजे भी शामिल हैं।

बुधवार को राजे और पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष की मुलाकात हुई थी जिसमें राजे की मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने की मांग पर चर्चा हुई। उन्हें गुरुवार को पुनः नई दिल्ली में उपस्थित रहने को कहा गया। गुरुवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से उनकी वार्ता हुई।

सूत्रों का कहना है कि उनके साथ राजस्थान इकाई में कुछ संगठनात्मक परिवर्तनों के लिए चर्चा की गई ताकि प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी को नई टीम मिल सके जो हाल ही में सतीश पूनिया की जगह प्रदेश अध्यक्ष बने हैं। जुलाई के प्रथम सप्ताह तक नई टीम घोषित होने की उम्मीद हैं।

भाजपा की नज़रे पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के 11 जून को दौसा में होने वाले शक्ति प्रदर्शन पर टिकी है। सचिन 11 जून को, अपने पिता की पुण्य तिथि पर दौसा में विशाल सभा करेंगे। ऐसी संभावना जताई जा रही है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

11 हजार करोड़ रू. ठगने के आरोपियों की जमानत पर सुनवाई आज

जयपुर, 8 जून (का.सं.)। प्रदेश के हजारों लोगों से 11 हजार करोड रुपए से अधिक की ठगी करने के आरोप में कई महीनों से जेल में बंद नेक्सा एवरग्रीन कंपनी के निदेशक रणवीर सिंह बिजारणिया, सुभाष चन्द्र बिजारणिया, बोधू राम और गोपाल सिंह की जमानत याचिकाओं पर हाईकोर्ट

- हजारों लोगों से 11 हजार करोड़ रू. ठगने वाली कम्पनी नैक्सा एवरग्रीन के निदेशक कई महीनों से जेल में हैं तथा उनके खिलाफ 100 से ज्यादा एफ.आई.आर. दर्ज हैं।

शुक्रवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस आशुतोष कुमार की अवकाशकालीन एकलपीठ आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। ज्ञातव्य है कि, सुभाष सहित अन्य के खिलाफ इस ठगी को लेकर सीकर और जयपुर सहित अन्य जिलों में करीब सौ से अधिक एफ.आई.आर. दर्ज हो चुकी हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष की एकता के सम्मेलन की चमक कुछ कम हुई

तेलंगाना के मु.मंत्री चन्द्रशेखर राव व तेलगुदेशम के चन्द्रबाबू नायडू की अनुपस्थिति काफी खलेगी

- वैसे उड़ीसा के मु.मंत्री बीजू पटनायक व आंध्र के मु.मंत्री तो पहले से ही भाजपा से नजदीकी के कारण विपक्ष के सम्मेलन में आने के बारे में अनिश्चित थे।
- पन्द्रह विपक्षी दल जरूर पटना पहुंचेंगे 23 जून को, सम्मेलन में भाग लेने के लिये।
- नीतीश कुमार की सबसे बड़ी सफलता इस सम्मेलन के आयोजित करने के बारे में यह है, कि, कई पार्टियाँ, जैसे तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी व यू.पी. की समाजवादी पार्टी, कांग्रेस से दूरी रखने की इच्छा रखते हुए भी सम्मेलन में भाग लेने पटना आ रही हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। विपक्षी दलों के 15 नेताओं ने जहां पटना में होने वाली गैर भाजपा दलों की मीटिंग में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी बताते हैं, वहीं विचार का केन्द्र वो नेता बने हुये हैं, जो इस मीटिंग में शामिल नहीं होंगे। ये नेता हैं-तेलंगाना राष्ट्र समिति के के. चन्द्रशेखर राव, तेलुगुदेशम के एन. चन्द्रबाबू नायडू, बीजू जनता दल के नवीन पटनायक तथा वाई.एस.आर. कांग्रेस के जगनमोहन रेड्डी। दो असफल प्रयासों के बाद, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा राहुल गांधी के निवेदन पर, यह मीटिंग अब 23 जून को रखी गई है। मीटिंग को आगे खिसकाने का एक कारण यह भी था कि, मीटिंग की पूर्व तिथि, 12 जून को तमिलनाडू के मुख्यमंत्री तथा डी.एम.के. (द्रमुक) नेता एम.के. स्टालिन उपलब्ध नहीं थे।

इसका श्रेय इस मीटिंग की एंकरिंग कर रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ही जायेगा, जो उन दलों के नेताओं को भी एक जाजम पर लाने में सफल हो गये हैं, जिन्हें कांग्रेस को लेकर कुछ आपत्तियाँ हैं। ये नेता हैं- आम आदमी पार्टी (आप) के अरविन्द केजरीवाल, सपा के अखिलेश यादव तथा तृणमूल की ममता बनर्जी। लेकिन खासतौर से के.सी.आर. और चन्द्राबाबू नायडू की भागीदारी न होने के कारण इस मीटिंग की आक्रामक क्षमता काफी कुछ कम हो जाने की संभावना है। नवीन पटनायक तथा जगमोहन रेड्डी जैसे नेता तो, किसी न किसी रूप में, भाजपा के प्रति अपने समर्थन के मामले में अविवेकपूर्ण ही रहे हैं। के.सी.आर., जो एकता के तेलंगाना मॉडल को राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुरानी पैन्शन योजना के खिलाफ याचिका दायर

जयपुर, 8 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में ओल्ड पैन्शन स्कीम (ओ.पी.एस.) को चुनौती देते हुए

- याचिका कर्ता कुलदीप शर्मा का आरोप है कि, पुरानी पैन्शन योजना बिना सोचे समझे एक अप्रैल 2023 से लागू कर दी गई है, अब रिटायर्ड कर्मचारियों को ग्रैच्युटी की रकम सरकार को लौटानी होगी।

याचिका दायर की गई है और उक्त स्कीम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन की सीमा पर गांवों का तीन माह में विकास होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। भारत की सीमा पर चीनी गतिविधियों से चिंतित, केन्द्र सरकार ने जिला कलैक्टरों से कहा है कि वे ''वाइब्रैन्ट विलेज प्रोग्रैम''

- ''वाइब्रैंट विलेज प्रोग्राम'' के तहत भारत सरकार इन गांवों में दूर संचार के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं का इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर तेजी से काम कर रही है।

(वी.वी.पी.) के तहत, तीन महीने के अंदर सुरक्षा इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

सरकार सीमावर्ती गांवों में आबादी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत में हवाई यात्रा की बढ़ोतरी का स्कोप विश्व में अधिकतम है

हवाई जहाज निर्माता इस स्कोप से अल्हादित हैं तथा नये हवाई जहाजों के ऑर्डरों को ललचायी आंखों से देख रहे हैं

- बढ़ती जनसंख्या के कारण स्वाभाविक ही है, हवाई यात्रा करने के इच्छुक लोगों की संख्या में भी लगातार वृद्धि ही रही है।
- इस वृद्धि का एक कारण यह भी है कि, देश में ट्रेन सेवा का जाल बहुत पुराना है तथा ट्रेन्स बहुत धीमी गति से चलती हैं और 18-36 घंटे की रेल यात्रा कोई साधारण बात नहीं।
- हवाई यात्रा के विशेषज्ञों का मानना है, हवाई यात्राओं की डिमाण्ड बहुत तेजी से बढ़ रही है, पर अगर हवाई यात्रा के लिये आवश्यक, आधार भूत ढांचे में, जैसे हवाई अड्डे, हवाई सेवा से सम्बद्ध स्टाफ में भी इतनी ही गति से वृद्धि नहीं हुई, तो ''एविएशन सैक्टर'' में भारी वृद्धि की संभावनाएं शायद केवल संभावनाएं ही रह जायेंगी।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जून। वैश्विक विमान निर्माता भारत में हवाई यात्रा की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के आगामी परिदृश्य को लेकर बड़ी भारी रूचि एवं खुशी प्रदर्शित कर रहे हैं। सैकड़ों एयरक्राफ्ट ऑर्डर, जो अभी प्रतीक्षा में हैं, हवाई यात्रा की भारत की विशाल एवं अनियंत्रित मांग पर आधारित ग्रोथ प्लान्स का समर्थन कर रहे हैं।

शीघ्र ही, भारत विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जायेगा, लेकिन एयर लाइन क्षमता के मामले में यह अभी अपेक्षाकृत अपात्र ही हैं। ''सैन्टर फॉर एशिया पैसिफिक एविएशन-इंडिया'' (सी.ए.पी.ए.) के एक विश्लेषण के अनुसार, हवाई यात्रा की बढ़ती हुई मांग से प्रभावित होकर, भारत की एयर लाइन्स ने सामूहिक रूप से विमानों की वर्तमान संख्या से कहीं ज्यादा विमानों के ऑर्डर दे दिये हैं।

सी.ए.पी.ए. इंडिया एविएशन कन्सल्टिंग, रिसर्च, एनेलेटिक्स तथा ट्रान्जेक्शन एक अग्रणी परामर्शदाता निकाय है।

वस्तुस्थिति यह है कि भारत में घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय- दोनों ही क्षेत्रों में हवाई यात्रा की ग्रोथ की विशाल संभावनाएं हैं। शीघ्र ही सर्वाधिक आबादी वाला देश बनना, जनसंख्या के आकार के लिहाज से अपेक्षाकृत कम विमान सेवाएं होना तथा तेज गति वाली ट्रेनों का अभाव-ये तीनों ही कारक मिलकर स्थानीय एयर लाइन्स के लिये एक बहुत अच्छा वातावरण उपलब्ध करा रहे हैं।

जहां तक अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र का प्रश्न है, भारतीय एयरलाइन्स का लक्ष्य उन विदेशी एयर लाइन्स के मार्केट के बड़े हिस्से पर कब्जा करना है, जो इस समय मिल कर भारतीय इन्टरनैशनल ट्रैफिक के 57 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा किये बैठी हैं।

इस समय, भारत विमान सेवा तथा विमान संख्या-दोनों की ही ग्रोथ ग्राफ में चीन से काफी नीचे है। लेकिन इस स्थिति में, भारत में इसके विस्तार की ज्यादा गुंजाइश की भी संभावना है। विमान खरीद के ऑर्डर का तेजी से बढ़ रहा बैकलॉग यह दर्शाता है कि भारत का विमान बेड़ा, जो इस समय छोटा है, में कम से कम चीन के बराबर ग्रोथ तो सुनिश्चित है। एक्टिव एयरक्राफ्ट के भारत के आर्डर्स का अनुपात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नियुक्ति रद्द करने पर हाई कोर्ट पहुंची पेपर लीक आरोपी की गर्लफ्रैंड

जयपुर, 8 जून (का.सं.)। पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी भूपेंद्र की गर्लफ्रैंड प्रियंका विश्नोई ने फिज़िकल ट्रेनिंग इन्स्ट्रक्चर (पी.टी.आई.) पद पर

- पेपर लीक कांड के मुख्य आरोपी की महिला मित्र, प्रियंका विश्नोई का कहना है कि, पी.टी.आई. भर्ती परीक्षा में पेपर लीक नहीं हुआ था फिर भी उसकी नियुक्ति रद्द कर दी गई, जबकि वह शुरू से होनहार और मेहनती छात्रा रही है।

अपनी नियुक्ति रद्द किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका पर हाईकोर्ट आगामी दिनों में सुनवाई करेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)